

**SHRI P. SHIV SHANKAR:** I am sorry, my hon. friend has misunderstood my answer about the 1977 report. That has been gone into and I have submitted that the economics of it have been worked out.... (Interruptions) concede that if it is a question of my mistake, I will own it.

**SHRI SOMNATH CHATTERJEE:** That is not my object. The Government of India, Petroleum Ministry, should take up this matter with the greatest seriousness.

**SHRI P. SHIV SHANKAR:** I owe an apology to the House on behalf of my department. There is no gainsaying the fact that I should defend this part of the case. What I am saying is that I will certainly consider it. After all, I represent the department and I am sorry on behalf of it.

**SHRI SOMNATH CHATTERJEE:** The matter should be taken up very seriously.

**SHRI P. SHIV SHANKAR:** That is exactly what I have said. I am prepared to say that within three months I will come back to the House and explain the position.

**SHRI SOMNATH CHATTERJEE:** We appreciate that.

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी:** मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह रिपोर्ट कैसे गुम हो गई और मिली कैसे?

**श्री पी. शिव शंकर:** यह 1974 की बात है। मैं क्या कहूँ, मैंने तो इसको देखा नहीं है।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी:** आपके जमाने में मिल गई, बहुत अच्छा हुआ। यह बताया जाए कि मिली कैसे?

**श्री गोपी शंकर मिश्र:** 1977 में गुम गई और अब मिली है।

**PROF. MADHU DANDAVATE:** He is Minister incharge of finding the facts... (Interruptions).

**SHRI H. N. BAHUGUNA:** Mr. Mishra, be sure of your statement, otherwise you will be committing breach of privilege.

**MR. SPEAKER:** Q. 316—Not present.

**DR. SUBRAMANIAM SWAMY:** Sir, if the Minister is ready with the answer, you can use Rule 388 and this question can be answered.

**MR. SPEAKER:** He has not been authorised.

**DR. SUBRAMANIAM SWAMY:** But, the Speaker can use Rule 388, Sir.

(Interruptions)

**श्री मनी राम बागड़ी:** भाषा से सम्बन्धित वह संवाल है। दूरदर्शन वाला वही भाषा को संवाल है।

**श्री रामाचतार जाल्गी:** जानबूझ कर भगवा दिया है।

**श्री मनीराम बागड़ी:** 70 करोड़ का यह देश है। इस तरीके से भाषा के संवाल पर.....

(Interruptions)

**MR. SPEAKER:** Shri Anbarasu—not here.

Shri Panikaji.

Additional funds for rural electrification

\*320. **SHRI RAM PYARE PANIKA:** Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government have taken a decision to provide additional funds for rural electrification projects;

(b) if so, the project-wise amount of additional assistance proposed to be given; and

(c) the number of additional villages proposed to be electrified with this assistance?

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN):** (a) to (c). The

Sixth Plan envisages a total outlay of Rs. 1821.8 crores for electrification of one lakh villages and energisation of 25 lakh pumpsets during the Plan period. These are now being reviewed by Planning Commission as a part of the midterm review of the Sixth Plan, taking into account cost escalations, availability of resources etc. The revised targets will be known after the review is completed.

**SHRI RAM PYARE PANIKA:** Sir, during the Sixth Five Year Plan, one lakh villages were to be electrified. Now, as the House is aware, due to the concerted efforts made by the Energy Ministry, the generation of electricity has gone up by 11 per cent. Besides some additional power plant projects have been sanctioned and some have even been commissioned. In view of this, I would like to know from the Hon. Minister whether he is going to revise the targets fixed in the Sixth Five Year Plan and to increase the number of villages to be electrified in the Plan period?

**श्री रामावतार शास्त्री :** मद्रास का असर इन पर भी पड़ गया है ।

**SHRI VIKRAM MAHAJAN:** Sir, in view of the emphasis laid in the 20-point programme on rural electrification, we are trying to revise upward the target in the mid-term review of the Plan. As we have already mentioned in the main answer, the revised targets will be known after the review is completed by the Planning Commission.

**श्री राम प्यार पनिका:** शास्त्री जी कह रहे थे कि हिन्दी में क्यों नहीं पूछते ? मैं उनकी आज्ञा का पालन करते हुए हिन्दी में पूछता हूँ । क्या यह सही है कि केन्द्र ने बहुत से राज्य विद्युत बोर्डों को कूरल इलैक्ट्रिफिकेशन के लिए पैसा दिया है उसकी उन्होंने डाइवर्ट कर दिया है दरारें कागों के लिए? यदि हां तो क्या मंत्री जी इस प्रश्न पर विचार करेंगे कि विभिन्न राज्य विद्युत बोर्डों को जो धनराशि गांवों के विजलीकरण के लिए दी जाए वह उसी में इस्तेमाल हो और अब तक यदि उन्होंने उस धनराशि का इस काम के लिए प्रयोग नहीं किया है तो अब उनको कुछ एडिशनल धनराशि चूक मह-

गाई बड़ गई है, छोटी गांवना में देने के बारे में आप सोच रहे हैं ताकि कूरल इलैक्ट्रिफिकेशन को जो टारगेट हगने तय किए हैं वे पूरे हो सकें?

**श्री विक्रम महाजन:** गृह सही है कि हमारे पास ऐसे कोसिस हैं जहां पर मनी डाइवर्ट की गई है । अब हम ने सिस्टम बदल दिया है पैसे देने का और अब राज्य सरकारों को जो पैसा देते हैं वह तब देते हैं जब कम्प्लीट करती हैं । इस ढंग का कोई तरीका हमने निकाला है । हंग उम्मीद करते हैं कि जो पैसा गांवों को इलैक्ट्रिफाई करने के लिए दिया जाता है वह उसी में प्रयोग होगा ।

जहां तक कास्ट एसकेलेशन की बजह से कोई इलैक्ट्रिफिकेशन कम हो रहा है तो उसके लिए हमने कहा है कि जो हमने स्कीम बनायी है जितना पैसा उस स्कीम में है अगर आप कम गांवों पर खर्च करते हैं तो स्कीम कमप्लीट कर के जो गांव रह गये हैं उनके लिए स्कीमों में अज दीलिये उम्मां भी हम पूरा कर देंगे ।

**DR. KARAN SINGH:** It is well known that the cost of electrification in the far-flung areas and geographically difficult areas, particularly the Himalayan belt and the desert areas, is much higher than the cost of electrification in normal, i.e. the other parts of the country. Would the hon. Minister be pleased to tell the House whether, in this additional rural electrification programme, special provisions are being made for electrification of the Himalayan region, the desert region and the geographically difficult regions—because what happens is that areas near the big cities, which are easy to electrify are covered, and the number of villages is chalked out? This is leading to a growing imbalance in the electrification of the nation. Will the Minister kindly clarify this point?

**SHRI VIKRAM MAHAJAN:** For the backward areas and the hilly areas, we have separate schemes, and more liberal loans are being given, and lesser rates of interest are charged. We are clearing those schemes which are submitted by the States, as we have different schemes for different areas. For example,

for undeveloped areas, we have a different scheme; for ordinary areas, we have a different scheme. Then we have special schemes for Harijan bastis. Then there is a revised minimum programme schemes. These are the different schemes applicable to different regions. And all the requirements are being well looked after.

**DR. KARAN SINGH:** Do you have special targets for these regions?

**SHRI VIKRAM MAHAJAN:** We have asked the States to give us the schemes, so that maximum number of villages are electrified within the shortest possible time. The States have to give us the schemes; and then we fund the States with that much of money, and then they execute the schemes.

**DR. KARAN SINGH:** Are there special targets for these difficult areas?

**SHRI VIKRAM MAHAJAN:** That is what I am saying. If they bring more schemes, we will give them the money. It is for the States to give us the schemes.

**श्री चतुर्भुज:** मंत्री जी ने अभी जो आश्वासन दिया सिद्धान्त में तो वह ठीक है लेकिन व्यवहार में कुछ नहीं होता। राजस्थान में 3 साल से 3 पंचायत समितियों में केंद्रीय सरकार की जो परियोजनायें प्रारम्भ की गई थीं उसमें कई गांवों को इलेक्ट्रिफाई तो कर दिया लेकिन एक भी कनेक्शन 3 साल में नहीं दिया। जब हमें राजस्थान सरकार से पूछते हैं कि जिन परियोजनाओं में आपने ट्रांसफॉर्मर्स लगा दिये हैं उनमें कुंवा के लिए बिजली के कनेक्शन क्यों नहीं दिए जा रहे हैं? तो हमें बताया जाता है कि हमने सरकार के आदेश पर बिजली लगा दी है, लेकिन कनेक्शन देने का कोई आदेश नहीं है। आप इसकी जांच करा लीजिये एक भी गांव में कनेक्शन नहीं मिला है। अगर कहीं भी कनेक्शन मिला हो तो मैं अपनी संसद की सदस्यता से रिजाइन करने के लिए तैयार हूँ। इतना गम्भीर आरोप लगा रहा हूँ।

**श्री विक्रम महाजन:** जहाँ तक आरोपों का स्वाद है इसमें तो मैं नहीं जाना चाहता।

मगर मैंने पहले ही सवाल के जवाब में कहा था कि हमने सब प्रदेश सरकारों को यह कहा है कि जो पुरानी स्कीमों में जितना पैसा हमने दिया है वह खर्च करके स्कीमों को बन्द कर दिया था और जो गांव रह गये हैं उनके लिए नई स्कीमों भेज दे उनके लिए पैसा दे दिया जायेगा।

जहाँ तक नए कनेक्शन का सवाल है, मैं परसों राजस्थान गया था तो कहा के मंत्रीजी मुझे कहा कि जहाँ तक स्कीमों का ताल्लुक है हम कनेक्शन दे रहे हैं। ने मुझे कहा कि जहाँ तक स्कीमों का कई गकान रह जाते हैं तो उनके लिए आप हमें स्कीम दें। तो मैंने उनको कहा था कि जो पुरानी स्कीमों खत्म करके जो गांव रह गये हैं औरिजनल स्कीम में उनके लिए आप हमें स्कीम दें दें हम उनका संवधान कर दगे।

**श्री राम बिलास पासवान:** अध्यक्ष जी, मैं सरकार से पूछना चाहता हूँ कि अभी आप ने हरिजन बस्ती का सवाल कहा, और आपने कहा कि विशेष प्रायोरिटी है उसके लिए। तो मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि कुल हरिजन बस्ती कितनी है और कितनों में आपने इलेक्ट्रिफिकेशन किया है? और यह सही है कि जो हरिजन और आदिवासी बस्तियां हैं उनका परसेंटेज जनरल बस्तियों से इलेक्ट्रिफिकेशन में कम है? और सरकार उसको कब तक पूरा करेगी? कितने दिनों का टारगेट आपने बनाया है प्रत्येक गांव में इलेक्ट्रिफिकेशन हो जायेगा।

**श्री विक्रम महाजन:** सरकार ने हरिजन बस्तियों के लिए एक स्पेशल प्रोग्राम बनाया है, और हम प्रान्तीय सरकारों से कहते हैं कि हमें वे स्कीमों बताई जाएं . . . . .

**श्री राम बिलास पासवान:** वह तो हमें मालूम है . . . . .

**श्री विक्रम महाजन:** हमने राज्य सरकारों से कहा है कि ज्यादा से ज्यादा हरिजन बस्तियों के इलेक्ट्रिफिकेशन की स्कीमों हमारे पास भेजिए . . . . .

(व्यवधान)

**श्री राम विलास पासवान :** आप सिर्फ यह बता दीजिए कि कितनी हरिजन बस्तियों को अब इलीक्ट्रिफाई किया जा चुका है...

**श्री विक्रम महाजन :** आप पहले अपने सवाल का जवाब तो सून लीजिए। हमने हर सरकार से कहा है कि आप जितनी भी हरिजन बस्तियों की इलीक्ट्रिकफिकेशन की स्कीमों हमारे पास भेजेंगे, हम उनको क्लियर कर देंगे। जहां तक आज तक हरिजन बस्तियों की इलीक्ट्रिकफिकेशन का प्रश्न है, अब तक एक लाख 184 हरिजन बस्तियां इलीक्ट्रिफाई हो चुकी हैं।

**श्री रामानंदर शास्त्री :** आप यह बताइये कि कल बस्तियों में से कितनी अब तक आप इलीक्ट्रिफाई कर चुके हैं...

**श्री विक्रम महाजन :** आपका थोड़ा पेशेस की जरूरत है। सारे मुल्क में लगभग साठे पांच लाख गांव हैं जिनमें से तकराब 3 लाख गांवों में बिजली पहुंच चुकी है। इसमें एक लाख वे हरिजन गांव भी शामिल हैं जिनको बिजली दी जा चुकी है। हमारे पास सन् 1977 से 1980 तक किसी प्रान्तीय सरकार ने जितनी स्कीमों हमें भेजी हैं, उनसे यह पता नहीं चलता कि पूरे हिन्दुस्तान में कितनी टोटल हरिजन बस्तियां हैं।

**श्री राम विलास पासवान :** सर, मेरा क्वेश्चन दूसरा था। हमारे यहां जितने गांव हैं, उन सब में हरिजन बस्तियां अलग रखी जाती हैं। आपने कहा कि 3 लाख गांवों को बिजली दी जा चुकी है। मैं जानना चाहता हूं कि उन 3 लाख गांवों में पड़ने वाली हरिजन बस्तियों को क्यों नहीं इलीक्ट्रिफाई किया जा सका।

**श्री विक्रम महाजन :** आपका यह कहना कि हर गांव में एक हरिजन बस्ती होती है, सही नहीं है... (बदधान)

**श्री राम विलास पासवान :** आपको पूरी जानकारी नहीं है।

**श्री विक्रम महाजन :** आप इसकी इन्क्वायरी करवा सकते हैं...

**श्री राम विलास पासवान :** हम इन्क्वायरी तो करवायेंगे, लेकिन आपको सही जानकारी नहीं है। आपने मेरे प्रीवियस क्वेश्चन के जवाब में जो कुछ कहा है, वह मेरे पास है।

You will be in the wrong box.

**Setting up of gas-based fertilizer plant in Rajasthan**

\*321. SHRI NAWAL KISHORE SHARMA: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the site for locating a fertilizer factory in Rajasthan based on Bombay High gas has not so far been selected;

(b) if so, the reasons for delay; and

(c) when the announcement of the location of the fertilizer factory in Rajasthan is likely to be made?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI VASANT SATHE): (a) to (c). A final decision has been taken to locate a gas based fertilizer plant in Sawai Madhopur district after taking into consideration the environmental factors and ensuring the protection of Ranthambhor Tiger Reserve.

**श्री नवल किशोर शर्मा :** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी का बहुत शुक्रिया कि आखिरकार उन्होंने राजस्थान के सबाई माधोपुर जिले में गैस-बेस्ड फर्टीलाइजर प्लांट लगाने का फैसला ले लिया। मैं उनसे जानना चाहता हूँ कि जब गैस-बेस्ड फर्टीलाइजर प्लांट लगाने का आपने फैसला कर लिया है तो उसकी एकत्रीकरण के बारे में आपकी क्या योजना है, उसकी लागत कितनी है। उस पर कब तक काम शुरू होगा, कब तक समाप्त हो जाएगा और उससे प्रतिवर्ष आपका कितना उत्पादन करने का इरादा है। क्या यह सारी जानकारी आप देने का कष्ट करेंगे।

**श्री वसन्त साठे :** उस कारखाने में फेसड मैनर में उत्पादन होगा, लेकिन उसकी डिटेल्स अभी तक वर्क आउट नहीं हुई हैं।